नौबतखाने में इबादत

यतीन्द्र मिश्र

प्रदत्त कार्य-1 : वृत्त चित्र निर्माण।

विषय : उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ।

उद्देश्य :

- सामान्य ज्ञान की वृद्धि कराना।
- बिस्मिल्ला खाँ के विषय में और अधिक जानकारी देना।
- रचनात्मकता का विकास करना।
- लेखन कौशल का विकास करना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. यह व्यक्तिगत कार्य होगा।
2. अध्यापक विद्यार्थियों को बिस्मिल्ला खां के जीवन से संबंधित सूचनाएँ एकत्रित करने को कहेगा। एकत्रित सूचनाओं एवं् चित्रों के आधार पर वृत्त चित्र तैयार किया जाएगा।
3. यह कार्य दो या तीन दिन पूर्व दिया जाएगा।
4. निर्धारित समय पर सभी विद्यार्थी एकत्रित सूचनाएँ कक्षा में 1-1 मिनट में प्रस्तुत करेंगे।
5. अध्यापक मूल्यांकन के आधार श्यामपट्ट पर पहले ही लिख देंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- विषय सामग्री / संकलित सूचनाएँ
- प्रस्तुतीकरण
- भाषायी क्षमता
- आत्म विश्वास

टिप्पणी :

- अध्यापक मूल्यांकन आधार स्वयं भी निर्धारित कर सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- जिन विद्यार्थियों ने बिस्मिल्ला खाँ के जीवन के विषय में प्रयासपूर्वक सूचनाएँ, चित्र आदि एकत्रित किए हैं, उनकी सराहना की जाए।

प्रदत्त कार्य-2 : प्रपत्र

विषय : प्रसिद्ध वाद्य यंत्रों के प्रसिद्ध वादक कलाकारों पर प्रपत्र।

उद्देश्य :

- वाद्य संगीत के प्रति आकर्षण उत्पन्न करना।
- वाद्य संगीत कलाकारों के जीवन से अवगत कराना।
- संगीत के प्रभाव को मन से ग्रहण करने की योग्यता उत्पन्न करना।
- श्रवण एवं वाचन क्षमताओं का परिष्कार करना।
- सामान्य ज्ञान को विकसित करना।
- ध्वनि विशेष के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करना।

निर्धारित समय : दो कालांश

प्रक्रिया :

1. सर्वप्रथम अध्यापक कक्षा में विषय का स्पष्टीकरण करेगा अथवा कक्षा की मेज पर तबले की तरह थाप देते हुए वाद्य संगीत के विषय में विद्यार्थियों को समझा सकता है।
2. अगले चरण में अध्यापक व्यक्तिगत स्तर पर प्रक्रिया शुरू कराते हुए निम्नलिखित प्रपत्र वाद्य संगीत के कलाकारों के विषय में देगा।
3. अध्यापक प्रत्येक विद्यार्थी को पहले ही बता देगा कि वह अलग अलग कलाकारों के विषय में जानकारी इकट्ठी करें।
4. जानकारी के लिए इंटरनेट पर देखने का सुझाव भी दिया जा सकता है।
5. कार्य प्रपत्र की जानकारी प्राप्त करने के लिए दो दिन का समय दिया जाए।
6. अध्यापक कार्य प्रपत्र की छाया प्रति विद्यार्थियों में बाँट दें।
7. निर्धारित कालांश में सभी विद्यार्थियों को अपना कार्य प्रपत्र कक्षा में सुनाना होगा।
8. मूल्यांकन आधार श्यामपट्ट पर पहले ही लिख दिए जाएंगे।

कार्य प्रपत्र

1.	वाद्य यंत्र	.....
2.	कलाकार का नाम	.....
3.	कलाकार का जन्म स्थान	.....
4.	कलाकार की संगीत की शिक्षा	.....
5.	उस वाद्य यंत्र के प्रति आकर्षण का कारण	.....
6.	संगीत के घराने से संबंधित	.....
7.	किस 'सम्मान' से सम्मानित?	.....
8.	किन समारोहों में भाग लिया?	.....
9.	क्या विदेशों में प्रदर्शन किया और कहाँ?	.....
10.	कलाकार पर छपी है किसी पुस्तक का नाम	.....

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- सही जानकारी
- प्रस्तुतिकरण

प्रतिपुष्टि :

- सही और सटीक जानकारी लाने वाले विद्यार्थियों की सराहना की जाए।
- अपूर्ण जानकारी लाने वाले विद्यार्थियों की सहायता की जाए और प्रयत्न करने के लिए प्रेरित किया जाए।

प्रदत्त कार्य-3 : भेंटवार्ता / साक्षात्कार

विषय : अपने प्रिय कलाकार से एक मुलाकात।

उद्देश्य :

- साक्षात्कार विधा से परिचित कराना।
- कल्पनाशीलता की उर्वरता को विकसित करना।
- आत्माभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करना।
- श्रवण, वाचन, लेखन एवं पठन कौशलों को समृद्ध कराना।
- मौलिक चिंतन एवं अनुसंधानपरक दृष्टिकोण विकसित करना।

प्रक्रिया :

1. सर्वप्रथम अध्यापक विद्यार्थियों को साक्षात्कार या भेंटवार्ता विधा से परिचित कराएगा।
2. दो दो विद्यार्थियों का समूह बनाकर एक को कलाकार व एक को भेंटकर्ता बनाएगा।
3. इस बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए दो दिन का समय दिया जाएगा।
4. सभी विद्यार्थी अपने अपने समूह में प्रस्तुति देंगे।
5. एक समूह को दो–दो मिनट का समय दिया जाएगा।
6. मूल्यांकन आधार पहले ही श्याम पट्ट पर लिख दिए जाएंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- विषय वस्तु
- कल्पनाशीलता
- पूछने का ढंग
- प्रश्न उत्तर की भाषा

टिप्पणी :

- अध्यापक मूल्यांकन आधारों में परिवर्तन के लिए स्वतंत्र है।

प्रतिपुष्टि :

- अच्छी तरह से कार्य सम्पन्न करने वाले विद्यार्थियों की सराहना की जाए।
- अन्य विद्यार्थियों को अध्यापक स्वयं सहायता दे सकते हैं।
- अध्यापक विद्यार्थियों को लता मंगेशकर, अलका याज्ञनिक, अनु मलिक, अमजद अली खाँ, हरि प्रसाद चौरसिया, जाकिर हुसैन इत्यादि कलाकारों का अभिनय या इंटरव्यू लेने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

प्रदत्त कार्य–4 : सूची तैयार करना।

विषय : 'भारत रत्न' से विभूषित व्यक्तियों की सूची।

उद्देश्य :

- 'भारत रत्न' भारत सरकार का सर्वोच्च पुरस्कार, उसका महत्व समझाना।
- सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
- ऐसे महान भारतीयों के बारे में जानना जिन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया।
- जिज्ञासा व खोज की प्रवृत्ति उत्पन्न कराना।
- लेखन एवं वाचन कौशल में प्रवीणता लाना।

निर्धारित समय : दो कालांश

प्रक्रिया :

1. सर्वप्रथम अध्यापक कक्षा में भारत रत्न का महत्व बताते हुए कुछ भारत रत्न प्राप्त व्यक्तियों के नामों का उल्लेख करेगा।
2. दो दिन पूर्व विद्यार्थियों को इंटरनेट के माध्यम से या पुस्तकालय से भारत रत्न प्राप्त व्यक्तियों के नाम जानने के लिए कहेगा।
3. कक्षा में अध्यापक प्रत्येक विद्यार्थी से 10–10 ऐसे व्यक्तियों के नाम लिखने के लिए कहेगा जिन्हें भारत रत्न प्राप्त हो चुका है।

भारत रत्न से विभूषित भारतीयों की सूची (अध्यापक के लिए)

- सी. राज गोपालाचार्य
- सी वी रमन
- भगवान दास
- गोविंद वल्लभ पंत
- श्रीमती इंदिरा गांधी
- पुरुषोत्तम दास टंडन
- डा. जाकिर हुसैन
- विनोबा भावे
- बिस्मिल्ला खाँ
- भीम सेन जोशी
- लता मंगेशकर
- चिदंबरम सुब्रह्मणयम इत्यादि
- वि.वि. गिरि
- डा. राधाकृष्णन
- विश्वैश्रैया
- पं जवाहर लाल नेहरू
- श्री विधान चंद्र रॉय
- लाल बहादुर शास्त्री
- मदर टेरेसा
- पं. रवि शंकर
- अमर्त्य सेन
- सत्यजीत रॉय
- सुब्बु लक्ष्मी

कुल 40 भारतीयों व 1 विदेशी नेल्सन मंडेला को यह सम्मान अब तक प्राप्त हो चुका है तथा अब्दुल गफ्फार खान जो विभाजन के बाद पाकिस्तान चले गए थे उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया है।

4. लिखने के लिए 15 मिनट का समय दिया जाए।
5. फिर कक्षा में प्रत्येक विद्यार्थी को सुना जाएगा।
6. मूल्यांकन आधार पहले ही श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएंगे।
7. सम्मान किसे और क्यों दिया गया अवश्य लिखा जाए।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- सही नाम
- क्षेत्र
- प्रभावशाली वाचन

प्रतिपुष्टि :

- सभी सही उत्तर देने वाले छात्रों की सराहना की जाए।
- कार्य पूरा न करने वालों को दिशा निर्देश देकर जानकारी एकत्रित कराई जाए।

प्रदत्त कार्य 5 : वाक्यों का संकलन।

विषय : पाठ में आए मिश्र वाक्य।

उद्देश्य :

- वाक्य रचना में कुशलता प्रदान करना।
- वाक्यों के प्रकारों से परिचित कराना।
- भाषायी दक्षता में वृद्धि करना।
- विश्लेषण क्षमता में प्रखरता लाना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. अध्यापक कक्षा में वाक्य के भेद अच्छी तरह समझा देंगे।
2. यह गतिविधि प्रत्येक छात्र को व्यक्तिगत रूप से कक्षा में करने के लिए दी जाएगी।
3. छात्र पाठ में आए मिश्र वाक्य छाँटकर लिखेंगे और फिर उनके उपवाक्यों के भेद भी लिखेंगे।
4. मूल्यांकन बिन्दु श्यामपट्ट पर लिखे जाएँगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- सही वाक्यों के आधार पर

प्रतिपुष्टि :

- कमजोर छात्रों की सहायता की जाएगी।
- प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के कार्य को सराहा जाएगा।